भगत बुलावे वेगा पधारो आओ भटियल मात

भगत बुलावे वेगा पधारो,
आओ भटियल मात,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।

जसोल गढ़ मैँ धाम बणियो,
आवे नर और नार,
धूप दीप सु करू आरती,
कद आवो दरबार,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।

धिर्त मिठाई चढ़े चूरमा,
निलोड़ा नारल,
गुग्लीयो रे धूप खेऊ,
कद आवो दरबार,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।

ढोल नगाड़ा नौबत बाजे,
झालर रो झण्कार,
घणे कोड सु होवे आरती,
कद आवो दरबार,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।

बामन पूजे बनिया पूजे,
पूजे सारों संसार,
बाझन नार पुत्र ने तरसे,
कद आवो दरबार,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जांगिड़ सूरेश री विनती,
सुण्जो भटियल मात,
हो घणे चाव सु भजन करू माँ,
कद आवो दरबार,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।

भगत बुलावे वेगा पधारो,
आओ भटियल मात,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।

प्रेषक – सांगा राम सुथार माडपुरा।
गायक – सुरेश जांगिड़ बाड़मेर।
मो.7073648651

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com